अंखियों में नमी सी हो | by Sheetal Pandey

अँखियों में नमी सी हो दिल बैठा हो हार के
जब कुछ ना नज़र आये मुझे तू ही नज़र आये
जब गम के अँधेरे हो बंद हो सारे रास्ते
मुझे कुछ ना नज़र आये बस तू ही नज़र आये
अँखियों में नमी सी हो .....

एक तू ही मेरी आस है एक तू ही सहारा
तेरे नाम से बाबा मेरा चलता है गुज़ारा
एक तेरे भरोसे पर सब बैठा हूँ हार के
उलझन मेरे जीवन की एक तू ही तो सुलझाए
अँखियों में नमी सी हो .....

इस जग में प्रभु आप सा दानी नहीं है
तेरे प्रेमियों के प्रेम का कोई सानी नहीं है
कोई प्रेमी तेरा मुझको देख के जब मुस्काये
मुझे तू ही नज़र आये बस तू ही नज़र आये
अँखियों में नमी सी हो .....

कभी सोचता है दिल मेरा तूने क्या क्या दिया है
जिस चीज़ के लायक नहीं तूने वो भी दिया है
तू ऐसा दयालु है छू ले पत्थर जो प्यार से
फूल उसमे भी खिल जाए फूल उसमे भी खिल जाए
अँखियों में नमी सी हो .....

सोनू को मिले उम्र भर चरणों में ठिकाना
तेरे नाम से जाने मुझे ये सारा ज़माना
तेरी सेवा में सांवरे जीवन ये गुज़र जाए
मुझे तू ही नज़र आये बस तू ही नज़र आये
अँखियों में नमी सी हो .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%82%e0%a4%96%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%a8%e0%a4%ae%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-by-sheetal-pandey/